## STATEMENTS OF THE PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Statements of the Public Accounts Committee. Prof. Rasheeduddin Khan.

PROF. RASHEEDUDDIN KHAN (Nominated): Sir, I beg to lay on the Table a copy each (in English and Hindi) of the following statements of the Public Accounts Committee:—

(1) Statement showing action taken by Government on the recommendations contained in Chapter I and final replies in respect of Chapter V of 90th Report (Sixth Lok Sabha) on International Film Festival.

(2) Statement showing action taken by Government on the recommendations contained in Chapter I and final replies in respect of Chapter V of 93rd Report (Sixth Lok Sabha) on Relief of distress caused by natural calamities.

## RE ADMISSIBILITY OF CALLING

take up the next item. Calling Attention Motion. Shri S. Kumaran.

—

## RE: ADMISSIBILITY OF CALLING ATTENTION NOTICE ON THE LATHI CHARGE AND FIRING ON THE STUDENTS OF ALLAHABAD UNIVERSITY.

**श्री कलराज मिश्र** (उत्तर प्रदेश): श्रीमन् मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है । प्रयाग विश्वविद्यालय और बाकी के स्थानों पर जो छात्रों के ऊपर लाठी चार्ज और गोलियां चलाई गई, इसी प्रकार देश के विभिन्न भागों में चलाई गई. . . .

**एक माननीय सदस्य**: इसमें कई लोग मरे गो हैं

**श्री कलराज मिश्र**: श्रीमन्, इसमें कई लोग मरे हैं । इस विषय पर कालिंग अटेंशन मोशन के लिए मैंने तथा कई लोगों ने अपने हस्ताक्षर कर के दिया था कि इसे स्वीकार किया जाए लेकिन वह अभी तक स्वीकार नहीं किया गया । आज जो यह बात उठाई जा रही है तो ट्रेजरी बेंचेज के सम्मानित सदस्यों ने इस प्रकार के आरोप लगाए हैं कि बहुगुणा. . . . (*Interruptions*)

**श्री उपसभापति**: आरोप-प्रत्यारोप तो चलते रहते हैं, उस पर हम क्या कर सकते हैं. . .

(*Interruptions*)

**श्री कलराज मिश्र**: श्रीमन्, मैं यह चाहता हूं. . . . .

(*Interruptions*)

**श्री उपसभापति**: मैं आपकी बात समझ गया हूं ।

**श्री कलराज मिश्र**: पूरी चर्चा करके अवसर प्रदान करवायें। यह आपकी व्यवस्था मैं चाहता हूं ।

**श्री उपसभापति**: अगर आपने कोई ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया है तो चेयरमैन साहब के पास विचाराधीन होगा । आप उनसे मिल सकते हैं कि वे निर्णय करें । क्योंकि कालिंग अटेंशन के लिए जितने प्रस्ताव दिये जाते हैं पूरा हफ्ता-भर उन पर विचार चलता रहता है, अभी हफ्ते में दो दिन बचे हैं, इसीलिए वह चेयरमैन साहब के पास विचाराधीन है । अगर आप किसी बात को कहना चाहें तो मैं इजाजत देता हूं । लेकिन अव्यवस्था पैदा करके न मैं आपकी बात सुन सकता हूं न आप मेरी बात सुन सकते हैं, न कोई इधर रिकार्ड पर जा सकता है, इसलिए मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि आपने जो प्रश्न उठाया है वह चेयरमैन साहब के पास विचाराधीन होगा, आपकी बात मैं चेयरमैन साहब से बता दूंगा. . . (*Interruptions*)

**श्री शिव चन्द्र झा** (बिहार): जब तक हल्ला नहीं होता है तब तक आप मानते नहीं हैं ।

**श्री धर्मवीर** (उत्तर प्रदेश): श्रीमन् . . .

(*Interruptions*)

**श्री उपसभापति**: अब इनको बोलने दीजिए, व्यवस्था की बात ।

**श्री रामेश्वर सिंह** (उत्तर प्रदेश): मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि अभी आपने कहा कि अव्यवस्था पैदा करके सदन की कार्यवाही नहीं चलायी जा सकती है, तो श्रीमन् मेरा आपसे आग्रह है कि मुल्क में अव्यवस्था लागू करके, अव्यवस्था पैदा करके इस सदन को नहीं चलाया जा सकता है न हम सदन को चलने की इजाजत देंगे, न हाउस को देंगे न सदन को देंगे हम सदन की कार्यवाही चलने (*Interruptions*) कि मुल्क में अराजकता का वातावरण आप तैयार करें।

**श्री उपसभापति**: यह कोई व्यवस्था का प्रश्न नहीं है. .(*Interruptions*) व्यवस्था क्या इसी प्रकार की होती है कि जब चाहे सदस्य खड़े हो जाते हैं।

**श्री धर्मवीर**: श्रीमान्. .(*Interruptions*)

**श्री रामेश्वर सिंह**: श्रीमान

(*Interruptions*)

**श्री उपसभापति**: जब मैं खड़ा होता हूं तो आप मत लिखिए. . (*Interruptions*)

. . . . . . . . . . . . . . . . . . . . . . . . . . . . Please sit down. Nothing will go on record. (*Interruptions*)

**श्री जी. सी. भट्टाचार्य** (उत्तर प्रदेश): आप मेरी बात सुनिये (*Interruptions*)

**श्री उपसभापति**: आप बैठ जाइये, मैं आपकी बात सुनता हूं, आप पहले बैठिये। Please take your seats. Nothing is going on record.

(*Shri G. C. Bhattacharya continued to speak*)

**श्री उपसभापति**: यह प्रश्न जो आपने उठाया है, जो बात आपने उठायी इलाहाबाद यूनिवर्सिटी की फायरिंग के बारे में, हमने इसका स्पेशल मेंशन आपके दल के लीडर को दे रखा है अब आप अपने दल के लीडर से सम्पर्क करें। अनावश्यक रूप से सदन के कार्य में बाधा उपस्थित करेंगे तो यह अव्यवस्था नहीं होगी तो और क्या होगा, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आप अव्यवस्था पैदा करके चेयरमैन को, सदन को धमकी देकर कोई बात नहीं कर पायेंगे। इसलिए मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि आप शांतिपूर्वक बैठिये, जो प्रश्न आप उठायेंगे मैं उसका जवाब दूंगा आपको।

**श्री शिवचन्द्र झा**: आप पढ़ते ही नहीं हैं

(*Interruptions*)

**श्री उपसभापति**: कालिंग अटेन्शन को चेयरमैन साहब एडमिट करेंगे तो चर्चा होगी नहीं तो. . . (*Interruptions*)

**श्री शिव चन्द्र झा**: इलाहबाद के स्टूडेण्ट्स की फायरिंग पर आपने स्पेशल मेन्शन मंजूर नहीं किया। क्यों नहीं मंजूर किया ?

**श्री उपसभापति**: कल नहीं मंजूर किया। आज किया। आपको पता है। जिसका पहले नाम आता है उसका मंजूर होता है। आप देख सकते हैं जिसका पहले आया होगा उसका पहले मंजूर हुआ होगा. . .

(*Interruptions*)

**श्री रामेश्वर सिंह**: हमारी व्यवस्था का प्रश्न है. . .

**श्री उपसभापति**: मैंने उनको इजाजत दी है। आप को नहीं दी है। आप पहले व्यवस्था का प्रश्न उठा चुके हैं।

**श्री रामेश्वर सिंह**: हमारा व्यवस्था का प्रश्न सुनिए. . . .

**श्री उपसभापति**: श्री रामेश्वर सिंह का कहा नहीं लिखा जाएगा। पहले साल्वे जी खड़े हैं। उनका पौइन्ट आफ आर्डर है।

**श्री रामानन्द यादव** (बिहार): आपने एक सदस्य का नाम पुकार लिया है। फिर ये क्यों हल्ला कर रहे हैं। आप पहले उनकी बात सुनिए जिनको आपने बुलाया है।

[*Shri Rameshwar Singh continued to speak.*]

**श्री उपसभापति:** साल्वे जी की बात मैं पहले सुनूंगा । रामेश्वर सिंह जी की बात नहीं सुनूंगा . . . . . (*Interruptions*) उनका नहीं लिखा जाएगा ।

**श्री धर्मवीर:** रामेश्वर सिंह जी जान बूझ कर बाधा डाल रहे हैं । ये ही लोग उपद्रव करा रहे हैं । जान बूझ कर प्रधान मंत्री पर प्राणघातक हमला करने की साजिश की गई है . . . . (*Interruptions* सारी जिम्मेदारी इनके ऊपर है ।

(*Shri Rameshwar Singh continued to speak*)

**श्री उपसभापति:** यह नहीं लिखा जा रहा है । रामेश्वर सिंह जी की बात नहीं लिखी जाएगी . . . (*Interruptions*)

**श्री धर्मवीर:** ये जनता पार्टी के शासन काल से चल रहा है । जनता पार्टी की सरकार ने

(*Interruptions*)

**श्री उपसभापति:** मिस्टर धर्मवीर, बैठ जाइए ।

(*Shri Rameshwar Singh continued to speak.*)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He is wasting the time of the House (*Interruptions*).

माननीय रामेश्वर सिंह जी से मैं कहना चाहता हूं कि . . . (*Interruptions*) अगर आप सदन की कार्यवाही में ऐसे बाधा उपस्थित करेंगे तो मैं आप से कहूंगा आप सदन से जा सकते हैं . . . (*Interruptions*) . . . . नहीं तो आप अपने स्थान पर बैठ . . . Please जाइए । आप सदन से जा सकते हैं . . . (*Interruptions*)

(*Shri Rameshwar Singh continued to speak.*)

**श्री उपसभापति:** अगर आप यही करना चाहते हैं तो मैं सदन की कार्यवाही स्थगित कर दूंगा। अगर सदन की कार्यवाही नहीं चलने देते तो मजबूर हो कर मैं सदन को स्थगित कर दूंगा . . . (*Interruptions*) . . . . मुझे मजबूर हो कर सदन को स्थगित करना पड़ेगा।

(*Shri Rameshwar Singh Continued to speak*)

**श्री उपसभापति:** मैं आप से कहना चाहता हूं, आप शांत रहिए नहीं तो मैं सदन की कार्यवाही स्थगित कर दूंगा । यह कोई तरीका नही है । आप बैठ जाइए । मिस्टर (*Interruptions*)

मैं माननीय सदस्यों से अनुरोध करूंगा, वे कृपा करके बैठ जाएं और सदन की कार्यवाही को चलने दें । कोई सदस्य अगर सदन में इस तरह व्यवधान उपस्थित करेंगे तो मजबूर होकर मैं सदन को स्थगित कर दूंगा। . . . . मैं आप से सबसे कह रहा हूं आप मेरी बात सुनने को तैयार हों । आप बैठ जाइए नहीं तो मजबूर हो कर मुझे यह कदम उठाना पड़ेगा । मिस्टर साल्वे. . . . . (*Interruptions*).

SHRI N. K. P. SALVE (Maharashtra): Sir, we do not want our rights to be abridged and nor do we want their rights to be abridged. But there are some methods prescribed. I have been in this House only for three years. But I have been very long in the Lok Sabha. There is an institution of Zero Hour there where people who have sometihng urgent to bring to the notice of the House can do so. But there are certain procedures laid down. In this House also there is a convention without its being in our rule book. It is called procedure of Special Mention. In accordance with that convention. whichever matter is considered, in your wisdom, or in the wisdom of the Chairman, to be of importance, it is allowed to be taken up here and statement is allowed to be made. I think that it is an extremely salutory convention as a result of which every Member, whether he is on this side or on the other side, is able to raise an issue which he considers important. Sir, I have been seeing for the last few months that as soon as the Question

[Shri N. K. P. Salve]

Hour is over and as soon as you take your seat, this sort of matters are raised. (*Interruptions*) I am on a crucial issue of procedure. We are threatened that the proceedings of the House will not be allowed to go on. We will not allow this to happen. These threats and intimidation are not going to browbeat us. These tactics will not work.

(*Interruptions*)

**श्री अब्दुल रहमान शेख** (उत्तर प्रदेश): यह कनवेंशन तो आपने पैदा की है. . . . (*Interruptions*).

**श्री जी. सी. भट्टाचार्य**: आप कानून को हाथ में लिये हुए हैं और हमें कानून की बात बता रहे हैं. . . (*Interruptions*)

**श्री रामेश्वर सिंह**: आप इधर बैठे थे तो इधर की भाषा और उधर चले गये तो उधर की भाषा. . . (*Interruptions*)

**श्री एन. के. पी. साल्वे**: इधर गये तो इधर की भाषा और उधर गये तो उधर की भाषा, यह आपको शोभा नहीं देता है। हमने तो एक ही भाषा बोलना सीखा है। वह फितरत तो आपकी पार्टी की है, हमारी फितरत नहीं है वह (*Interruptions*)

I am on a question of procedure. (*Interruptions*).

SHRI SHIVA CHANDRA JHA: I am on a point of order.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He is already on a point of order.

**श्री पी. सी. भट्टाचार्य**: यह कौन सा प्वांइट आफ आर्डर है *Interruptions*)

आंख को निकाल दो, अंधों को मार रहे हैं (*Interruptions*) सारा देश देख रहा है

(*Interruptions*)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This will not work, Mr. Bhattacharya. You have to raise your point at a proper time.

SHRI G. C. BHATTACHARYA: You allow a debate and we will say what we want to say.

SHRI N. K. P. SALVE: What happened in Bhagalpur has caused deep anguish to our leader and the action we have taken is known to each one of us. But what happened to their conscience when large scale corruption was detected..... (*Interruptions*)

**श्री कलराज मिश्र**: यह अच्छे वकील हैं, यह किस नियम के अंदर बोल रहे हैं

(*Interruptions*)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Salve, you please go on.

SHRI N. K. P. SALVE: Sir, these people are saturated and dripping with double standards. Sir, what I want to say is that there are methods prescribed. My question before you is this. There are certain people who are holding the House to ransom. They threaten that they won't allow the House to go on. (*Interruptions*) As soon as the Question Hour is over, they don't allow other matters to be taken up.

**श्री कलराज मिश्र**: उपसभापति जी, आप हमारी बात क्यों नहीं सुनते ?

(*Interruptions*)

ये कौन से नियम के अन्तर्गत बोल रहे हैं?

(*Interruptions*)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Salve, you conclude now.

SHRI N. K. P. SALVE: Sir, the time has come when it is absolutely essential to stop this attitude on the part of the Opposition parties to turn it, immediately after the Question Hour, into a Zero-Hour discussion. It is not to be done, and a very sacrosanct and important convention of this House will be broken.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: May I clarify the position (*Interruptions*) I have to clarify one position. (*Interruptions*).

DR. BHAI MAHAVIR (Madhya Pradesh): Sir, I am on a point of order, (*Interruptions*) on the same point of order on which the hon. Deputy Leader of the ruling party has spoken for about ten minutes. Sir, I wish to point out that it is quite correct when he refers to the rules and procedures of this House in comparision with the rules and procedures followed in the other House, that we do not have a Zero Hour. We have evolved a system of Special Mention in which subjects are submitted to the Chairman, and sometimes we get the decisions signed by you, Deputy Chairman, Sir, or by the Chairman, as the case may be, usually informing us of a rejection and sometimes of acceptance. But, Sir, the question is that in this system, if there are hon. Members on this side who feel that the Chair has not been able to give due importance or due attention to certain issues which are troubling their minds....

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What is the issue today?

DR. BHAI MAHAVIR: Permit me to make the submission, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Don't generalise. What is the issue today that has not been taken up?

DR. BHAI MAHAVIR: Sir, you can allow Mr. Salve for ten minutes and you don't allow us...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You go on. I am just enquiring...

DR. BHAI MAHAVIR: He referred to everything possible under the sun.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What is the point that is agitating your mind? You tell me that.

DR. BHAI MAHAVIR: He was telling us what we have been doing. Do we not remember how they held the House to ransom for full three months on one false charge and that emanated from no less a person than the Deputy Leader of the ruling party?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All parties do it.

DR. BHAI MAHAVIR: The Chair is expected to observe impartiality and, therefore, if you are permitting a Deputy Leader of the ruling party to digress and bring in all issues under the sun...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have permitted you.

DR. BHAI MAHAVIR: . . . you will have to permit this side also.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have permitted you.

DR. BHAI MAHAVIR: Sir, my submission is that you may kindly evolve a system with the help of the leaders of the various parties and groups under which if there is a very strong feeling on the part of any Members on this side for the raising of a particular matter which is exercising the whole country, there should be some way how we can convice you. Otherwise, we send a slip and we get a 'no' in return and usually our feelings are not taken care of. That may not be because of any intention but it is a fact. So, I would suggest that you may discuss it with the Chairman and tell us how we can convey to you our strong feelings on issues which are exercising our minds and the minds of the people at large.

**श्री बी. सत्यनारायण रेड्डी** (आंध्र प्रदेश): मैं एक बात जानना चाहता हूं। चेयरमैन हों, डिपुटी चेयरमैन हों, मैं यह देख रहा हूं कि इस हाउस के अन्दर जो हल्ला मचायेगा, रूल्स का पालन हो या न हो, जो ज्यादा से ज्यादा हल्ला मचायेगा उसको समय मिल जाता है। अभी मोरारका मुझसे पूछ रहे थे कि तुम हाथ क्यों उठाये हो एक घन्टा से। मैंने हल्ला नहीं मचाया. मैं हाथ उठा कर बैठा हूं कि चेयरमैन, डिपुटी चेयरमैन देखें

(श्री सत्यनारायण रेड्डी)

हैं या नहीं। मैं जानना चाहता हूं कि क्या वह सदस्य जो रूल्स और रेगूलेशन्स के तहत आप से इजाजत चाहते हैं, उन को आप इलाहबाद के स्टूडेंट्स पर जो लाठी चार्ज हुआ ऐसे इशूज को उठाने का मौका देंगे या नहीं देंगे ? मैं चेयर से जानना चाहता हूं कि जो रूल्स के तहत चलना चाहते हैं उन को मौका मिलेगा या नहीं मिलेगा ?

SHRI G. C. BHATTACHARYA: Mr. Deputy Chairman, Sir, my only answer to Mr. Salve is that the age-old practice and the sacrosanct rule is just to know the temper of the House. The presiding officer is only to know the temper of the House. You are saying these are extraordinary...

(*Interruptions*)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let him complete. Hon. Members, please take your seats.

SHRI G. C. BHATTACHARYA: Actually, you have to know the temper of the House. If you know the temper of the House, you will be able to follow the rules and manage the House. What is the use of talking of rules and regulations? Such important matters are being raised and they are citing rules and regulations. Therefore, the only sacrosanct rule is this... (*Interruptions*).

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have allowed him to speak.

SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI (Uttar Pradesh): If you cannot control the House, you adjourn the House. (*Interruptions*).

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have allowed him to speak. Please take your stats.

SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI: No question of allowing him.

श्री शिवचन्द्र झा: श्रीमन् मेरा यह कहना है कि हम लोगों की हार्दिक ख्वाइश है कि खूब अच्छे ढंग से सदन की कार्यवाही चले, लेकिन मैं देख रहा हूं कि हम लोगों के कोआपरेशन की कमी की वजह से नहीं, बल्कि शायद आप ध्यान नहीं देते हैं....

श्री उपसभापति: कितना ध्यान हम दें आप सुनते ही नहीं। आप अनावश्यक रूप से बात करते हैं।

श्री शिव चन्द्र झा : जब देश में कोई गंभीर समस्या आती है तो उसके लिए स्पेशल मेंशन का एक तरीका है ....

श्री उपसभापति : आप जितने स्पेशल मेंशन दें हम सब मंजूर कर लें यही तो आप चाहते हैं ?

श्री शिव चन्द्र झा : आंखों वाले के बारे में मैंने दिया था। आपने उसे उठाने दिया, लेकिन जब इसका कालिंग अटेंशन के रूप में दिया है तो...*

श्री उपसभापति : आप बैठिये।

(*Interruptions*).

श्री जे. के. जैन (मध्य प्रदेश): उन्होंने चेयर मैन के बारे में कहा है .... यह उचित बात नहीं है ....

(*Interruptions*)

श्री उपसभापति : अगर ऐसा कोई शब्द है तो मैं उसको देख लूंगा। (*Interruptions*) आप बैठिये।

श्री धर्मवीर : मान्यवर, आप जानते हैं कि पिछले 5, 6 महीनों के अंदर जितनी उन्होंने हर बार.... (*Interruptions*) यह लोग ऐसी स्थितियां पैदा करते हैं और...

(*Interruptions*)

श्री उपसभापति : आप बैठिये। आप बैठिये।

श्री धर्मवीर : यह लोग...

(*Interruptions*)

*Expunged as ordered by the Chair.

**श्री उपसभापति** : आप बैठिये । आप कृपा कर मेरी बात सुनिये ।

**श्री धर्मवीर** : यह नहीं पता चलता कि हम जनता के चुने हुए नुमाइन्दे हैं या किसी पार्टी के नेता हैं । आज राजनीति में प्रधान मंत्री जी को उछालने के लिए और काम को रोकने के लिए यह लोग हिंसा फैला रहे हैं और सदन का समय बर्बाद कर रहे हैं . . .

(*Interruptions*)

**श्री उपसभापति** : आप बैठिये । मुझे कहने दीजिए ।

**श्री सत पाल मित्तल** (पंजाब) : इस सदन का वक्त बर्बाद करने के लिए कोई प्रश्न नहीं उठाता, किन्तु इन सब चीजों को उठाने के लिये कुछ नियम हैं और इन बातों पर डिबेट करने के लिए कालिंग अटेंशन दिया जाता है । मैं यह क्लैरिफिकेशन चाहता हूं कि क्या आप ने यह आश्वासन दिया है कि इस पर बहस हो जायेगी। अगर हो जायगी तो यह बात खत्म कर के अगली कार्यवाही चलने दीजिए ।

**श्री उपसभापति** : हमारे सदन का जैसा नियम है, आप जानते हैं । स्पेशल मेंशन तात्कालिक महत्व के प्रश्नों पर दिया जाता है, कालिंग अटेंशन के बाद । तो मेरे ख्याल से अगर दल के माननीय सदस्य एक दल की हैसियत से काम करें तो शायद उनको सारी बातों की जानकारी हो जाएगी । माननीय सदस्य रामेश्वर सिंह जी ने इलाहाबाद युनिवर्सिटी का मामला उठाने की कोशिश की, उन्हें पता नहीं है, और श्री झा जी को पता है कि उनके दल के नेता श्री नागेश्वर प्रसाद शाही का हमने स्पेशल मेंशन की इजाजत दी है । . . .

(*Interruptions*)

**श्री रामेश्वर सिंह** : एक बात मैं . .

(*Interruptions*)

**श्री उपसभापति** : रामेश्वर सिंह जी आप इज्जत नहीं करते हैं चेयर की । मुझे अफसोस है कि सदन की परम्परा को रामेश्वर सिंह जी बराबर तोड़ने का प्रयत्न करते हैं । इसलिए मैं उनको आगाह करना चाहता हूं कि सदन की कार्यवाही को न रोकें। . .

(*Interruptions*)

उनके दल के नेता श्री नागेश्वर शाही को स्पेशल मेंशन की इजाजत दी हुई है । अब कौन सा महत्वपूर्ण विषय है, मैं भाई महावीर जी से जानना चाहता हूं जिस पर आप बहस करना चाहते हैं, जिसकी इजाजत नहीं दी हुई है । स्पेशल मेंशन की इजाजत दी हुई है, उस पर आप विचार प्रकट कर सकते थे । अगर कालिंग अटेंशन लेना चाहते हैं तो वह चेयरमैन साहब के सामने आपका पेश होगा, उस पर विचार होगा । अभी यह सप्ताह समाप्त नहीं हुआ है, आप दे सकते हैं . . .

(*Interruptions*)

झा जी यह चाहते हैं कि प्रतिदिन उनको स्पेशल मेंशन करने दिया जाए । यह सम्भव नहीं है । कल उनको इजाजत दी गई थी और आज दूसरे सदस्य को दी गई, हर रोज दो, तीन, चार को देते हैं । तो हर मैम्बर को प्रतिदिन इजाजत बोलने की नहीं दी जाती है । यह परम्परा है । इसलिए मैं अनुरोध करूंगा कि जो भी विषय माननीय सदस्य उठाना चाहते हैं, नियमों के अनुसार उठायें। . . (*Interruptions*) आधा घंटा हो गया, अभी कोई भी विषय नहीं उठाया जा सका । हम कालिंग अटेंशन इसमें ले सकते थे । यह खेद की बात है कि रामेश्वर सिंह जी बार-बार खड़े हो जाते हैं । . . .

(*Interruptions*)

**श्री रामेश्वर सिंह** : उपसभापति जी . .

(*Interruptions*)

**श्री उपसभापति** : रामेश्वर सिंह जी की कोई बात मानने को मैं तैयार नहीं हूं । उनको इस सदन की परम्परा का कोई ज्ञान नहीं है । यह मैं उनको बताना चाहता हूं कि चेयर के पास अधिकार है वह व्यवस्था कायम रख सकती है सदन में लेकिन मैं उनसे अनुरोध करूंगा कि सदन में अव्यवस्था पैदा करके चेयर को मजबूर न करें कि इन नियमों का पालन करने के लिए और नियमों का पालन किया जाए. . . (*Interruptions*) आप अपने स्थान पर बैठ जाइये । आपका प्रश्न

मैंने बता दिया कि चेयर मैंन के विचाराधीन हैं अब काल अटेंशन होगा. (*Interruptions*).

**श्री रामेश्वर सिंह** : उपसभापति महोदय ।

**श्री उपसभापति** : मैं आपको इजाजत नहीं देता । रामेश्वर सिंह जी जो बोल रहे हैं कुछ नहीं लिखा जाएगा। . . . .

(*Interruptions*)

[*Shri Rameshwar Singh continued to speak.*]

**श्री उपसभापति**: अभी भी आप मेरी बात मानने को तैयार नहीं हैं (*Interruptions*) यह आपकी धारणा गलत है रामेश्वर सिंह जी । आप आधे घंटे से सदन की कार्यवाही नहीं चलने दे रहे हैं । इससे ज्यादा क्या हो सकता है । मैं आपको आगाह कर देना चाहता हूं कि आप सदन की कार्यवाही को नहीं रोक सकते । आप शान्ति से बैठिये, नियमानुसार प्रश्न उठाइये, आप खूब बोलिये, आरोप लगायें. . .

(*Interruptions*)

**श्री जगदीश प्रसाद माथुर** (उत्तर प्रदेश): **स्पेशल मेंशन के विषय में मेरा एक निवेदन** आपसे अवश्य है कि पता नहीं आपकी निगाह से निकलता है या नहीं, लेकिन कम से कम मेरा यह अनुभव है, औरों का भी अनुभव है कि 15-20 स्पेशल मेंशन मैंने किये हैं लेकिन आप रिजेक्ट कर देते हैं । यह दुर्भाग्य कहें या कुछ कहें। 20 बार दिया है, कई बार दे चुका हूं, कभी नहीं मिला ।

**श्री उपसभापति** : बहुतों को मिला है, आपको भी मिलेगा । . . .

(*Interruptions*)

**श्री जगदीश प्रसाद माथुर** : बात कहने दीजिए, झा जी अपने और रामेश्वर सिंह जी ने तमाशा ही कर रखा है. (*Interruptions*)

**श्री उपसभापति** : माथुर जी, आप ठीक कह रहे हैं ।

---

**CALLING ATTENTION TO A MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE**

**The Agitation of Class I Officers of the Life Insurance Corporation of India throughout the Country in protests against the non-settlement of their demands.**

DR. BHAI MAHAVIR (Madhya Pradesh): Sir, I beg to call the attention of the Minister of Finance to the agitation of Class I officers of the Life Insurance Corporation of India throughout the country in protest against the non-settlement of their demands.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI MAGANBHAI BAROT): Sir, at the outset, I would like to assure the House that in the matter of emoluments and other terms and conditions of service, the officers of the Life Insurance Corporation of India are more happily placed when compared to their counter-parts in other public sector undertakings. They have, however, been making demands for revision of pay scales and allowances and also removal of certain anomalies which have crept into the wage structure due to different DA formulae applicable to various categories of employees. Recently a majority of them resorted to concerted action on 28th November, 1980 to draw attention of the management and the Government to their various demands.

2. Government is fully alive to the problems of various categories of employees in the LIC. These can, in fact, be removed in the long run only through an integrated approach and rationalisation of the wage structure. It was, therefore, felt necessary to reach a settlement first with the Class III and IV employees so that the wage structure at higher levels may be formulated in its correct perspective. Accordingly, the management of the Life Insurance Corporation of India held several rounds of discussions with the representatives of Class III and IV employees but could not reach